STAFF SELECTION COMMISSION
कर्मचारी चयन आयोग
SSC GD 2025
ROJGAR WITH ANKIT
अवसर बैच
हिंदी
मुहावरे एवं लोकोक्ति
Part -6
LIVE
15-06-2024 06:00 PM

175.	अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना	आत्मप्रशंसा करना
176.	उँगली पर नचाना	वश में रखना
177.	औकात पहचानना	यह जानना कि किसी में कितना सामर्थ्य है।
178.	कूपमण्डूक होना	सीमित ज्ञान
179.	कमर कसना	तैयार होना

180.	टूट पड़ना	आक्रमण करना
181.	ठन–ठन गोपाल	पैसा पास न होना
182.	नाकों–चने चबाना	बहुत तंग करना
183.	बाँए हाथ का खेल	अति सरल काम
184.	भैंस के आगे बीन बजाना	बेसमझ आदमी को उपदेश देना
185.	मुँह पकड़ना	बोलने न देना

186.	लोहे के चने चबाना	कठिनाइयों का सामना करना
187.	आँखें चार होना / आँखें लड़ना →	देखा–देखी होना या प्रेम होना
188.	आँखें थकना	प्रतीक्षा में निराश होना
189.	आग उगलना	क्रोध प्रकट करना
190.	ऐड़ी चोटी का पसीना एक करना	खूब परिश्रम करना / बहुत परिश्रम करना

आँख लगना → नींद आना

191.	काला अक्षर भैंस बराबर	अनपढ़ / निरा मूर्ख / अज्ञानी
192.	खटाई में पड़ना	झमेले में पड़ना
193.	खरी–खोटी सुनाना	भला–बुरा कहना
194.	चार दिन की चाँदनी / फिर अँधेरी रात	→ क्षणिक सुख / क्षणभर का सुख
195.	छाती पर पत्थर रखना	असह्य दुःख को दिल में दबा लेना

196.	छाती पर साँप लोटना	ईर्ष्या से हृदय जलना
197.	दूध के दाँत न टूटना	अनुभव का न होना
198.	भीगी बिल्ली बनना	लाचार होना / डर जाना
199.	मैदान मारना	विजय प्राप्त करना / जीत हासिल करना
200.	मुर्गी को तकवे का घाव भी बहुत है	कमजोर आदमी थोड़ा सा कष्ट भी नहीं सह सकता

201.	अंडे सेना	घर में बेकार बैठे रहना
202.	अठखेलियाँ सूझना	हँसी दिल्लगी करना
203.	अपना–अपना राग अलापना	अपनी ही बातें कहना
204.	अबे–तबे करना	आदर से न बोलना
205.	आँख का काजल	अत्यंत प्रिय
206.	आँच न आने देना	जरा सा भी कष्ट न होने देना

आँच | आग | अग्नि

207.	आँधी के आम	सस्ती चीजें
208.	उधेड़–बुन में पड़ना / रहना	सोच–विचार करते रहना
209.	कंधे से कंधा छिलना	भारी भीड़ होना
210.	काला नाग	खोटा या घातक व्यक्ति
211.	खाक में मिलाना	नष्ट करना
212.	गाँठ में बाँधना	खूब याद रखना

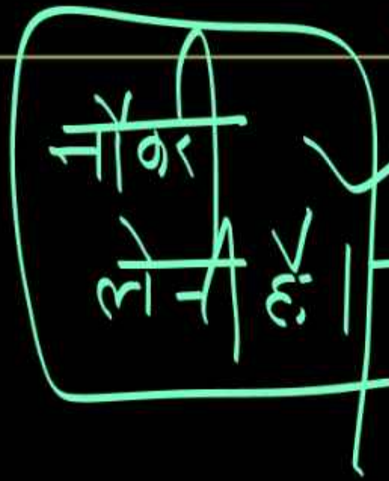

213.	गाजर मूली समझना	तुच्छ समझना
214.	गूलर का फूल	दुर्लभ वस्तु
215.	चाँदी का जूता	रिश्वत का धन / धूस का पैसा
216.	चिकना घड़ा	बेशर्म / बेहया आदमी
217.	छक्के छूटना	बुद्धि चकरा जाना / घबरा जाना
218.	जमीन आसमान का फर्क	बहुत भारी अंतर / बहुत बड़ा अंतर

219.	जीती मक्खी निगलना	जानते हुए भी धोखा
220.	ढाई घड़ी का आना	अचानक मर जाना
221.	बाजार गर्म होना	काम धंधा तेज होना
222.	पानी पीकर जात पूँछना	काम करने के बाद उसके अच्छे–बुरे पहलुओं पर विचार करना।

223. मक्खियाँ मारना	बेकार बैठे रहना
224. बिल्ली के भागों छीका टूटा	अकस्मात् कोई काम बन जाना
225. अक्ल बड़ी या भैंस	शारीरिक शक्ति का महत्त्व कम है, बुद्धि का अधिक
226. अटका बनिया देय आधार	गरज आ पड़े तो आदमी सब कुछ मान जाता है।

227. ऊँट किस करवट बैठता है	निर्णय किसके पक्ष में होता है।
228. खुदा की लाठी में आवाज नहीं	कोई नहीं जानता कि भगवान कब, कैसे क्या कर देते हैं।
229. घोड़ा घास से यारी करे तो खाए क्या	पेशेवर को किसी की रू–रियायत नहीं करनी चाहिए।
230. चट मँगनी पट ब्याह	तत्काल कार्य होना।

231.	चमड़ी जाए पर दमड़ी न जाए	बहुत कंजूसी।
232.	छछूँदर के सिर में चमेली का तेल	अयोग्य व्यक्ति को अच्छी चीज देना
233.	तू डाल–डाल, मैं पात–पात	एक से बढ़कर दूसरा चालाक।
234.	देशी कुतिया विलायती बोली	किसी की नकल में अपनापन छोड़ना।

SSC GD 2025
हिंदी
अवसर बैच